भारत सरकार

उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्याः †5067**

उत्तर देने की तारीख 2 अप्रैल, 2025 (बुधवार)

12 चैत्र, 1947 (शक)

**प्रश्न**

**उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में पर्यटन का विकास**

**†5067. श्री जयन्त बसुमतारीः**

क्या **उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) उत्तर-पूर्वी क्षेत्र (एनईआर) में पर्यटन क्षेत्र में सुधार लाने हेतु किए जा रहे प्रयासों का ब्यौरा क्या है और इस विकास में स्थानीय समुदायों को किस प्रकार शामिल किया जा रहा है;

(ख) क्या उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के कुछ भागों में आंतरिक संघर्षों के फलस्वरूप पर्यटन को काफी नुकसान पहुंचा है;

(ग) यदि हां, तो सरकार किस प्रकार उत्तर-पूर्वी राज्यों में आंतरिक संघर्षों के मुद्दे का समाधान कर रही है और वहां शांति और स्थिरता सुनिश्चित कर रही है ताकि उक्त क्षेत्र के विकास के साथ-साथ पर्यटन के लिए अनुकूल वातावरण बनाया जाए; और

(घ) उक्त क्षेत्र के विकास में स्थानीय उद्यमियों और व्यवसायों की क्या भूमिका है और सरकार किस प्रकार उनके विकास में सहायता कर रही है?

**उत्तर**

**उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास राज्य मंत्री**

**(डॉ. सुकान्त मजूमदार)**

(क) से (घ) पर्यटन क्षेत्र का विकास और संवर्धन संबंधित राज्य सरकारों/संघ शासित प्रदेशों द्वारा किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय पर्यटन को बढ़ावा देने में पूर्वोत्तर राज्यों सहित राज्यों/संघ शासित प्रदेशों के प्रयासों को पूरा करता है। पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थयात्रा पुनरुद्धार और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान पर राष्ट्रीय मिशन (प्रशाद)', 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' जैसी स्कीमों के तहत पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित देश में पर्यटन संबंधी अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ शासित प्रदेशों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। पर्यटन मंत्रालय प्रचार कार्यक्रमों, राज्य सरकारों को सहायता, मेलों और त्यौहारों के आयोजन के लिए हितधारकों, प्रदर्शनियों में भागीदारी, वेबसाइट और सोशल मीडिया सहित विभिन्न पहलों के माध्यम से पूर्वोत्तर क्षेत्र के विभिन्न पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देता है। पर्यटन मंत्रालय भारत के पूर्वोत्तर राज्यों की पर्यटन क्षमता को प्रदर्शित करने के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट

(आईटीएम) का आयोजन करता रहा है। आईटीएम का नवीनतम संस्करण 26 से 29 नवंबर, 2024 तक असम के काजीरंगा में आयोजित किया गया था। पर्यटन मंत्रालय गुवाहाटी और शिलांग में अपने केंद्रीय होटल प्रबंधन संस्थानों (सीआईएचएम) के माध्यम से आतिथ्य के क्षेत्र में प्रोफेशनल शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करता है, ताकि पर्यटन और आतिथ्य उद्योग की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त जनशक्ति का पूल बनाया जा सके। पर्यटन मंत्रालय द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं के लिए पर्यटन मंत्रालय राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को परियोजनाओं की तैयारी के दौरान स्थानीय समुदायों के साथ उचित परामर्श के लिए प्रोत्साहित करता है। पर्यटन मंत्रालय ने अपनी सेवा प्रदाताओं के लिए क्षमता निर्माण (सीबीएसपी) स्कीम के तहत आतिथ्य क्षेत्र के विभिन्न स्तरों को कवर करते हुए पर्यटन सेवा प्रदाताओं को शिक्षा, प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करने के लिए विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रम शुरू किए हैं।

इसके अलावा, पूर्वोत्तर क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देना उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय के फोकस क्षेत्रों में से एक है। अपनी स्कीमों जैसे उत्तर पूर्व विशेष अवसंरचना विकास स्कीम (एनईएसआईडीएस), पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए प्रधानमंत्री की विकास पहल (पीएम-डिवाइन), पूर्वोत्तर परिषद की स्कीमों आदि के तहत उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय ने विभिन्न अवसंरचना परियोजनाओं को स्वीकृति दी है, जो पूर्वोत्तर क्षेत्र में पर्यटन क्षेत्र की भी सहायता करती हैं।

वर्ष 2023 के दौरान पूर्वोत्तर राज्यों में घरेलू पर्यटक यात्राओं (डीटीवी) और विदेशी पर्यटक यात्राओं (एफटीवी) का विवरण नीचे दिया गया है:

| **क्र.सं.** | **राज्य** | **2023** | |
|---|---|---|---|
| | | **डीटीवी** | **एफटीवी** |
| 1 | अरूणाचल प्रदेश | 10,40,601 | 4,496 |
| 2 | असम | 76,12,720 | 23,818 |
| 3 | मणिपुर | 57,701 | 3,668 |
| 4 | मेघालय | 13,71,674 | 19,973 |
| 5 | मिजोरम | 2,09,087 | 3,754 |
| 6 | नागालैंड | 99,720 | 4,725 |
| 7 | सिक्किम | 13,21,169 | 93,908 |
| 8 | त्रिपुरा | 3,66,104 | 66,708 |
| | **कुल** | **1,20,78,776** | **2,21,050** |

*****